कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में प्रधानमंत्री का भाषण
16 मई, 2005
नई दिल्ली

आदरणीय सोनिया जी और मित्रो,

सबसे पहले मैं सोनिया जी और आप सभी का उस सहयोग और दिशा-निर्देशन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं जो इस वर्ष मुझे आपसे प्राप्त हुआ। जब मैं यह कहता हूं कि सोनिया जी के साहस, विवेक, धैर्य और हमारी पार्टी तथा संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के नेतृत्व में उनकी निस्वार्थ भावना के व्यक्तिगत उदाहरण ने हम सभी को सही मायनों में प्रेरित किया है, तो ये केवल हमारी पार्टी के सदस्यों के ही विचार नहीं होते बल्कि समस्त देशवासियों के विचारों को ही मैं व्यक्त कर रहा होता हूं।

2. पिछले एक वर्ष के दौरान हमने वास्तव में एक ऐतिहासिक काल खंड को जिया है। पिछले वर्ष के दौरान हमारे देश का बहुलवाद, इसकी विविधता, इसका बहु-सांस्कृतिक रूप जिस प्रखर रूप में हमारे सामने आया है, यह वास्तव में एक दुर्लभ उपलब्धि ही कही जाएगी। भारतीय जनता पार्टी की सरकार से कांग्रेस नीत सरकार के हाथ में सत्ता का हस्तातंरण एक ऐतिहासिक परिवर्तन रहा है। यह परिवर्तन हमारी राजनीति का बहुलवाद तथा धर्म-निरपेक्षतावाद की मुख्य धारा में लौटना है जो पिछली शताब्दी के दौरान हमारे राष्ट्रीय आंदोलन और हमारी राष्ट्रीय राजनीति की विशेषता रही है।

3. संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का निर्माण, उसका राजनीतिक लचीलापन व टिकाऊपन और वामपंथी दलों के साथ हमारा वर्तमान गठबंधन सोनिया जी के परिपक्व, सहृदय और प्रगतिशील नेतृत्व का ही सबूत है। उन्होंने संकट और अज्ञात मुसीबतों से जिस तरह से पार्टी को निकालकर एक नई दिशा दी, उसके लिए पार्टी के हम सभी सदस्य उनके प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हैं। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ कि कांग्रेस पार्टी को इस तरह के अज्ञात संकटों के बीच गठबंधन बनाने और उसके आधार पर सरकार चलाने की चुनौती का सामना करना पड़ा हो। गठबंधन की सरकार चलाने का हमारी पार्टी का ऐतिहासिक अनुभव बड़ा ही सीमित था। और उससे भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण था- एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम तैयार करना और विभिन्न विचारधारा वाली पार्टियों को साथ लेकर चलना। फिर भी, हमने इस काम को बहुत अच्छी तरह से अंजाम दिया है। हमने जो संस्थाएं स्थापित की हैं जैसे संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की समन्वय समिति, वामदलों के साथ समन्वय समिति, नियमित बैठकों वाला कोर ग्रुप, ये सभी हमारे लिए एक नए तरह का अनुभव है और हमने इन सभी में बहुत अच्छा कार्य किया है। हम कई शक्ति परीक्षणों से गुजरे हैं, बहुत सी अग्नि-परीक्षाएं दी हैं और हमारे इसी अनुभव से संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन को सफल बनाने की हमारी प्रतिज्ञा सुदृढ़ हुई है।

4. देश के राजनीतिक और सामाजिक जीवन में पिछले वर्ष के दौरान हमारा सबसे बड़ा योगदान यह रहा है कि हम देश को फिर से प्रगति के मार्ग पर ले आए हैं। हम देश को संयम की राजनीति और समता तथा विकास की आर्थिकी की ओर ले गए हैं। हमारी एक सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही है कि हमने समाज के कमजोर तबकों-उपेक्षित वर्ग, दलित वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग- में हमारे राष्ट्र की प्रगति में भागीदार बनने की एक नई भावना प्रदान की है।

5. देश के आम आदमी से जो हमारा वायदा है वह केवल उसे आर्थिक रूप से ही सक्षम बनाने का नहीं है बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टि से भी उसे सशक्त बनाने का है जिनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक वर्ग, महिलाएं, बच्चे, विकलांग, वरिष्ठ नागरिक तथा इस विशाल भू-भाग के दूर-दराज के क्षेत्रों में, जम्मू-कश्मीर में, मणिपुर और अरूणाचल प्रदेश में, अण्डेमान और निकोबार द्वीप समूहों में रहने वाले लोग शामिल हैं। वे लोग जो देश के तथाकथित राजनीतिक हृदय प्रदेश से असंबद्ध रहे हों, वे भी देश के केंद्र के और करीब आए हैं।

6. हमने समाज के इन सभी वर्गों को अधिकार-संपन्न बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। सिविल सेवाओं के पदों में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने के लिए एक विधेयक पेश किया गया है। देश में पहली बार न्यायमूर्ति राजेन्द्र सच्चर की अध्यक्षता में विशेषज्ञों की एक उच्चस्तरीय समिति भारत के अल्पसंख्यकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के संबंध में तमाम जानकारियाँ जुटा रही हैं। हमने अल्पसंख्यकों को आर्थिक और सामाजिक रूप से अधिकार-संपन्न बनाने के लिए और निजी क्षेत्र में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अल्पसंख्यकों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए भी कदम उठाए हैं। आदिवासियों के भूमि अधिकारों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक युगांतरकारी कानून तैयार किया जा रहा है। हमारी सरकार ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अल्पसंख्यकों की सभी स्तरों पर शिक्षा तक पहुंच को बढ़ाने के लिए कई उपाय किए हैं। हमारे समाज के कमजोर तबकों को अधिकार संपन्न बनाने का इससे बेहतर कोई और उपाय नहीं हो सकता कि उनकी क्षमताओं में निवेश किया जाए और यही काम हम रहे हैं।

7. मै, आपको उन विभिन्न नीति-विषयक पहलों की पूरी सूची नहीं बताना चाहता जो हमने इस वर्ष के दौरान की हैं। संसद के बजट सत्र की पूर्व संध्या पर "जनता के लिए रिपोर्ट" प्रकाशित की गई थी और एक अन्य रिपोर्ट इस सप्ताह प्रकाशित की जा रही है। इस रिपोर्ट से आपको पता चलेगा कि हमने जनता से किए गए अपने अधिकांश वायदों को पूरा किया है और कई अन्य वायदों के संबंध में कार्य प्रगति पर है।

8. मोटे तौर पर कहें, तो हमने न्यूनतम साझा कार्यक्रम के आधार पर अपनी प्राथमिकताओं को 7 मुख्य क्षेत्रों में बांटा हैः-कृषि एवं ग्रामीण विकास, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, शहरों का नवीनीकरण, पानी तथा ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था। हमारा यह दृष्टकोण है कि इन सभी क्षेत्रों में समता और कौशल बढ़ाने के लिए दोहरी रणनीति चलाई जाए।

9. हमने "ग्रामीण भारत के लिए नई पहल" का जो वायदा किया है, वह ग्रामीण विकास के एक नए कार्यक्रम जिसे हमने "भारत निर्माण" का नाम दिया है, पर आधारित होगा। "भारत निर्माण" अगले 4 वर्षों के लिए ग्रामीण बुनियादी ढांचे पर कार्रवाई करने के लिए एक समयबद्ध कार्य योजना होगी। "भारत निर्माण" के तहत सिंचाई, सड़क, ग्रामीण आवास, ग्रामीण जलापूर्ति, ग्रामीण विद्युतीकरण और ग्रामीण दूर-संचार संपर्क के क्षेत्रों में कार्रवाई करना प्रस्तावित है। हमने विशिष्ट लक्ष्य रखे हैं जिन्हें इनके तहत हासिल किया जाएगा ताकि इस पहल की प्रगति में जिम्मेदारी बनी रहे।

10. भारत निर्माण, ग्रामीण रोजगार के लिए हमारी प्रतिबद्धता रूपी आधार पर खड़ा होगा। ग्रामीण रोजगार गारंटी विधेयक संसद के विचाराधीन है और राष्ट्रीय काम-के-बदले-अनाज

कार्यक्रम 150 जिलों में आरंभ किया गया है। राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, बागवानी मिशन, जलाशयों की मरम्मत, नवीकरण एवं जीर्णोद्धार की राष्ट्रीय परियोजना और विस्तारित अंत्योदय अन्न योजना, ये सभी योजनाएं ग्रामीण भारत को एक "नई सौगात" देने के लिए तैयार की गई हैं।

11. पिछले वर्ष के दौरान कृषि ऋणों में काफी वृद्धि हुई है और हमने कृषि ऋण प्रणाली के सुधार का कार्य आरंभ किया है। सिंचाई के क्षेत्र में निवेश बढ़ाया गया है और जल संग्रहण के लिए नई योजनाएं आरंभ की गई हैं। हमने फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन देने और कृषि अनुसंधान में निवेश को बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं। 170 पिछड़े जिलों के आर्थिक विकास को तेज करने के लिए 5 हजार करोड़ रुपये की आरंभिक धनराशि से एक पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष बनाया गया है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली सहित खाद्य एवं पोषहार सुरक्षा कार्यक्रमों, काम के बदले अनाज कार्यक्रम और दोपहर के भोजन की योजना के कार्यान्वयन पर सतत् निगरानी रखने के लिए योजना आयोग में एक खाद्य एवं पोषहार सुरक्षा निगरानी तंत्र स्थापित किया गया है।

12. हमारी सरकार के केंद्रीय बजटों में भी ऐसी ही नीतियां रखी गई हैं जो नये निवेशों को प्रोत्साहन देंगी और व्यक्तिगत उद्यमों को उदार बनाएंगी। हमने बैंकिंग तथा वित्तीय क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम को आगे बढ़ाया है और निवेश को सुकर बनाने के लिए नए अवसर उपलब्ध कराएं हैं। मेरा मानना है कि हमें न केवल बुनियादी संरचना, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में, बल्कि कृषि तथा विनिर्माण के क्षेत्रों में भी भारी निवेश करने की जरूरत है। शहरी पुनर्निर्माण मिशन, हमारे प्रारंभिक एवं व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम, उच्च शिक्षा के आधुनिकीकरण और शहरी बुनियादी सरंचना जैसे मेट्रो, सड़कें, स्वच्छता और बिजली के क्षेत्र में जिनमें हम भारी निवेश करना चाहते हैं, से भारत के शहरी क्षेत्रों का आधुनिकीकरण होगा।

13. हमने बुनियादी संरचना के क्षेत्र में बढ़ी हुई सरकारी-निजी भागीदारी के लिए नीतिगत ढांचे का निर्माण करके इस संबंध में नई पहलें की हैं। बुनियादी संरचना संबंधी समिति, जिसका मैं अध्यक्ष हूँ, ने नई नागर विमानन नीति, नई विद्युत नीति और बंदरगाहों, रेलवे तथा सड़कों के विकास में निजी निवेश के लिए नए नीतिगत ढांचे को पहले ही मंजूरी दे दी है। हमने जो नीतिगत ढांचा तैयार किया है वह बुनियादी संरचना क्षेत्र के लिए नये नियमों को परिभाषित करता है और यह बड़ी मात्रा में नये निवेश आकर्षित करेगा। हम एक सहायता कार्यक्रम के संबंध में जापान के साथ बातचीत कर रहे हैं जिसके जरिए मुंबई, नई दिल्ली और कोलकाता के बीच एक उच्च गति वाले रेल माल भाड़ा कोरिडोर के विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा धनराशि का निवेश किया जाएगा। यह रेल मार्ग सड़कों में स्वर्ण चतुर्भुज के समानान्तर चलेगा।

14. इससे कुशल और अकुशल दोनों ही तरह के श्रमिकों के लिए नये रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। तथापि, यदि हम श्रम सुधार का एजेंडा लेकर चलें और निवेश नीति को और उदार बनाएं तो हम रोजगार के और अधिक अवसर उत्पन्न कर सकते हैं। जहां हम संगठित क्षेत्र के लिए परिवेश को और अधिक प्रतियोगी बना रहे हैं वहीं हमें असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले कामगारों के हितों की रक्षा भी करनी होगी, उनके कार्य की स्थितियों में सुधार लाना होगा और उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करनी होगी।

15. हमारा यह प्रयास रहेगा कि हम और अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए निरंतर कार्य करते रहें। हमारे देश के लोग परिवर्तन के लिए बेताब हैं, बेहतरीन जीवन स्तर के लिए बेताब हैं और नये अवसर पाने के लिए बेताब हैं। यदि हम पुराने ढर्रे से बाहर निकलकर नहीं सोचते और साहस से काम नहीं लेते तो हम उनके साथ अन्याय कर रहे होंगे। हमें हमारे सामने खड़ी चुनौतियों और अवसरों को पहचानना होगा। आर्थिक सुधार के मोर्चे पर निर्भीकता के साथ पहल किए जाने की आवश्यकता है। मैं चाहूंगा कि सरकार के प्रत्येक स्तर पर सार्वजनिक वित्त में सुधार हो। हमें बेकार की सब्सिडी कम करनी होगी और इन संसाधनों को निवेश तथा रोजगार उत्पन्न करने के लिए लगाना होगा। सार्वजनिक खर्च की पुनर्संरचना करने की तत्काल आवश्यकता है। यदि हम निवेश और रोजगार उत्पन्न करने के लिए संसाधन जुटाना चाहते हैं तो हमें राजस्व उगाहने के लिए निर्भीक उपाय करने होंगे और साथ ही, व्यय की रूपरेखा बदलनी होगी जो कि उतना ही जरूरी है। कहना तो आसान है लेकिन यह काम उतना ही कठिन है।

16. हमें अपनी पार्टी के भीतर और सभी राजनीतिक दलों के साथ मिलकर राजकोषीय सुधार आगे बढ़ाने के इस एजेंडा पर राजनैतिक सर्वानुमति बनानी होगी। हमें विकास के लिए संसाधन जुटाने और सार्वजनिक उद्यमों को और अधिक उत्तरदायित्वपूर्ण व कुशल बनाने के लिए सार्वजनिक उद्यमों में एक बार फिर विनिवेश की प्रक्रिया आगे बढ़ानी होगी। मैंने अपने मंत्रिपरिषद के सभी साथियों को लिखा था कि मंत्रियों और सरकारी अफसरों को सार्वजनिक उद्यमों को अपनी व्यक्तिगत जागीर नहीं समझना चाहिए। हमें रणनीतिक क्षेत्रों में सार्वजनिक क्षेत्र की जरूरत है लेकिन एक ऐसे कुशल सार्वजनिक क्षेत्र की, जो पेशेवर लोगों और सक्षम प्रबंधकों द्वारा पारदर्शी तरीके से चलाया जाता हो। भविष्य में सार्वजनिक उद्यम सुधार के कार्यक्रम पर और अधिक ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

17. मैं आपका ध्यान जम्मू-कश्मीर तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित देश के कुछ समस्याग्रस्त क्षेत्रों में की गई कई पहलों की ओर दिलाना चाहूंगा। जरा उस राजनीतिक और सामाजिक परिवेश को, तनाव और हिंसा के स्तर को याद करें जो पिछली गर्मियों में हमें मिला था और उसकी तुलना आज की स्थिति से करें। हमने पोटा रद्द करने के अपने वायदे को पूरा किया, हमने नक्सलवादी गुटों से बातचीत की और मणिपुर में सशस्त्र सेना विशेष शक्ति अधिनियम की समीक्षा आरंभ की है लेकिन फिर भी, देश में सुरक्षा की स्थिति को किसी भी तरह से बिगड़ने नहीं दिया।

18. पाकिस्तान के साथ चल रही शांति प्रक्रिया को "अनिवर्त्य" कहा गया है, मणिपुर में स्थिति सामान्य हुई है, जम्मू-कश्मीर में हुए स्थानीय चुनाव में जनता ने भारी तादाद में मतदान किया, श्रीनगर और मुजफ्फराबाद के बीच शुरू हुई बस-सेवा का नियंत्रण रेखा के दोनों ओर रहने वाले कश्मीर के लोगों ने जोरदार स्वागत किया। कश्मीर में उग्रवादी और आतंकवादी गुट लगातार जनता से कटते जा रहे हैं और उनकी हताशा साफ दिखाई पड़ती है।

19. मैंने पिछले सप्ताह संसद में एक वक्तव्य दिया था जिसमें मैंने विदेश नीति के क्षेत्र में हमारी उपलब्धियों का उल्लेख किया था। मैं उन्हें दोहराना नहीं चाहता। मैं केवल इतना ही कहा सकता हूं कि इस पिछले एक वर्ष में हम सभी बड़ी शक्तियों के साथ, विश्वभर में व्यापारिक तथा आर्थिक भागीदारों के साथ, एशिया के सभी बड़े देशों के साथ और पश्चिम एशिया और खाड़ी के मुल्कों से लेकर दक्षिण-पूर्व एशिया और हिन्द महासागर क्षेत्र के द्वीपों तक बृहत्तर दक्षिण एशियाई क्षेत्र के देशों के अपने सभी पड़ौसी देशों के साथ संबंध सुधारने में सफल हुए हैं।

हमारी "पूर्वोन्मुखी नीति" ने अपनी गति पकड़ ली है और इसी के कारण हमें इस वर्ष आगे चलकर होने वाले पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन के लिए न्योता मिला है। विश्व के संबंध में हमारी क्रियाशीलता इतनी जबरदस्त कभी नहीं रही है। जुलाई में मैं स्काटलैंड में होने वाले जी-8 देशों की बैठक में भाग लूंगा। जी-8 के देशों के साथ भारत की वार्ता इस बात का सबूत है कि दुनिया के देश हमें किस स्थान पर रखते हैं।

20. मैंने पहले भी कहा है कि मेरा मानना है कि गत वर्ष हमने अपने लिए एक ऐसा अंतर्राष्ट्रीय परिवेश बनाया है जो हमारी उन्नति और विकास के अनुकूल है और जिससे हमारे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा की उम्मीद बंधती है। दुनिया हमें आगे बढ़ने में हमारी मदद करना चाहती है, हमें बिना किसी हिचकिचाहट के उनका सहयोग लेना होगा। इसके लिए हमें देश में एक निर्भीक सोच और ज्यादा कुशल शासन व्यवस्था की जरूरत है।

21. जहां तक शासन और नीति निर्माण का संबंध है, मैं इसके लिए कोई ज्यादा दावा नहीं करना चाहता। मैं तो इतना ही कहूंगा कि हमें अभी और बहुत कुछ करना है। नई नीतिगत पहलों के कार्यान्वयन के संबंध में हम जो कुछ कर पाए हैं, उससे मैं संतुष्ट नहीं हूं। अभी हाल ही में एक पत्रकार ने मुझसे पूछा कि मैं खुद को और अपनी सरकार को कितने अंक देना चाहूंगा, तो मेरा जवाब था 10 में से 6 । कुछ लोगों के लिए यह अंक सही हो सकता है लेकिन मैं कभी भी 60 प्रतिशत से संतुष्ट नहीं रहा हूं। मेरा अटूट् विश्वास है कि हम और भी बेहतर कर सकते हैं। आने वाले वर्ष में हमारा यही प्रयास रहेगा।

22. सरकार में सुधार लाना हमारे लिए उच्च प्राथमिकता वाला कार्य होगा। सूचना का अधिकार विधेयक पारित करवाना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम था। इस संबंध में ई-गर्वनेंस के लिए राष्ट्रीय कार्य-योजना एक अन्य महत्वपूर्ण पहल है। सिविल सेवा के अधिकारियों के लिए एक आचार-संहिता तैयार की जा रही है और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए मूल्यांकन प्रणाली बदल दी गई है। हमें चुने हुए प्रतिनिधियों के लिए भी आचार-संहिता की जरूरत है जिसे सभी बड़ी राजनीतिक पार्टियों का समर्थन हासिल है। हमें सार्वजनिक पद के लिए अयोग्यता हेतु मानदंड बनाए जाने के संबंध में राजनीतिक सर्वानुमति बनानी होगी।

23. हमारे सभी मंत्रालयों, प्रत्येक राज्य सरकार और हमारे प्रत्येक जिला और ग्राम स्तर के प्रशासनों में सुधार लाना होगा ताकि सरकार ज्यादा कुशलता से और अधिक समानता के साथ परिणाम दे सके। हमें सरकार, सार्वजनिक उद्यमों, अपनी राजनीतिक प्रणाली तथा न्यायपालिका के सुधार के लिए ज्यादा उत्साह और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। मैं इस बात से बहुत खुश हूं कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायपालिका में सुधार के महत्व के बारे में कई बार कह चुके हैं। हमारी सरकार इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए न्यायपालिका का सहयोग करेगी।

24. आज हमारे सामने चुनौती है आगे बढ़ने की, तेजी से बढ़ने की और भरोसे के साथ आगे बढ़ने की। हमें और अधिक समर्पित तथा ऊर्जावान सरकार की जरूरत है। हमें अपनी राजनीतिक जड़ों को निरंतर सींचना होगा और अपने राजनैतिक आधार को बढ़ाना होगा। कांग्रेस पार्टी ही एकमात्र अखिल भारतीय राजनीतिक पार्टी है जो इस विशाल व प्राचीन देश के सभी वर्गों, सभी क्षेत्रों तथा सभी समुदायों का सही मायने में प्रतिनिधित्व करती है। हमें पार्टीरूपी इस

खेत के सभी कोनों को बराबर पानी देना होगा ताकि हमारी पार्टी की हर जड़ सिंचित हो और इसमें लहलहाती फसल उगे। ये सब चुनौतियां हैं-सरकार और पार्टी के सामने।

25. मुझे पूरा विश्वास है कि सोनिया जी के विवेकपूर्ण व परिपक्व नेतृत्व के तहत हमारी पार्टी अपना पूर्ण गौरव हासिल कर लेगी और देश को एक बार फिर सबकी प्रगति, खुशहाली, शांति और कल्याण के पथ पर आगे ले जाएगी।

धन्यवाद।